बस यूं ही...

शांता पारेख, इन्दौर 9425311944

बाबाओ के यहाँ भीड़

दर्द व दर्द बस दर्द की ही दुनिया बच गई हैं, बहुत सोचते कि सकारात्मक रहे नज़रअंदाज़ करें, पर दुध फल सब्जी अनाज सब में न खाने वाले घातक तत्व मिले हो तो क्या करें, उस पर साइबर अपराध में जीवन भर की कमाई लुट जाये, घर् जमीन फ्लैट कुछ भी लो अवैध होने की आशंका रहती ही हैं. नकली दवाई, चावल, कैसे चिंता की नींद आएगी. ऐसा नहीं कि कानून नहीं सबके कानून होते हुये भी आदमी का लालच इतना हो गया कि, सब कोइ रिश्वत लेके अनापत्ति प्रमाणपत्र दे देता, सीवरेज का पानी तीनसों मीटर के नीचे चला गया बोरिंग में केमिकल का पानी, सब्जी नाले के पानी की तो. सारी बात व्यक्तिगत नैतिकता की हैं. जो सिरे से गायब हैं. तिरंगे व वन्देमातरम की लड़ाई करने से पहले, सबको कठोर सजा व तुरंत कार्यवाही जब तक नहीं होंगी, कोइ भी सो नहीं सकता, जो जीवन हैं, वह कही भी सुरक्षित नहीं तो क्या करें. बड़ी योजनाओं के उद्घाटन से आम आदमी को क्या मिल रहा. पहले दोजून की रोटी पानी का इंतज़ाम ही नहीं तो जीडीपी का क्या करें क्रोध व असंतोष से हर प्राणी क्रोध दबा के बैठा हैं अवसर मिलते ही तोड़फोड़ करता. खुशी इंडेक्स में अंतिम होना कितनी लज़्ज़ा की बात हैं. बिलकुल फालतू मुद्दों पे बहस करते रहते, तो हिंसा का बोल बाला हो चुका हैं, मूल पर ध्यान लगाओ देश के जनप्रतिनिधियों.इसीलिए सारा देश बाबाओ के यहाँ भीड़ लगा रहा।

अब कॉमिक्स के जरिए इनकम टैक्स समझेंगे छात्र

आयकर विभाग की अनूठी पहल... सीबीएसई पोर्टल पर जारी की डिजिटल बुक

इंदौर। स्कूली छात्रों के लिए आयकर जैसे जटिल विषय को अब आसान और रोचक बनाने की दिशा में आयकर विभाग ने एक अनूठी पहल शुरू की है। नई पीढ़ी में टैक्स साक्षरता बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से विभाग ने विशेष कॉमिक्स तैयार की हैं।

इन कॉमिक्स को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के आधिकारिक पोर्टल पर उपलब्ध कराया गया है, जिससे देशभर के छात्र, शिक्षक और अभिभावक इसे आसानी से देख और डाउनलोड कर सकते हैं। यह पहल न केवल पढ़ाई को रोचक बनाएगी, बल्कि बच्चों को शुरुआती स्तर पर वित्तीय समझ भी देगी।

आमतौर पर इनकम टैक्स का नाम सुनते ही लोगों के मन में जटिल गणनाएं और कठिन कानूनी प्रक्रियाएं आती हैं।

इसी सोच को बदलने के लिए आयकर विभाग ने पिक्टोरियल स्टोरीटेलिंग यानी चित्रों के माध्यम से कहानी सुनाने का तरीका अपनाया है।

कॉमिक्स में काल्पनिक किरदारों और रोजमर्रा की जिंदगी के उदाहरणों के जरिए यह समझाया गया है कि आयकर क्या है, इसका महत्व क्या है और यह देश के विकास में कैसे योगदान देता है।

टैक्स के महत्व और जिम्मेदारी का संदेश

इन कॉमिक्स के माध्यम से छात्रों को यह भी बताया गया है कि टैक्स का पैसा देश के बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विकास कार्यों में कैसे उपयोग होता है। साथ ही टैक्स चोरी के नुकसान और ईमानदारी से कर भुगतान के फायदे भी सरल भाषा में समझाए गए हैं।

इससे बच्चों में जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ेगी।

सीबीएसई पोर्टल पर आसान उपलब्धता

आयकर विभाग ने इन कॉमिक्स को डिजिटल रूप में सीबीएसई पोर्टल पर अपलोड किया है, जिससे लाखों छात्र आसानी से इसका लाभ उठा सकें। शिक्षाविदों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा है कि इस तरह की सामग्री से बच्चों में वित्तीय जागरूकता और निर्णय क्षमता बेहतर होगी।

भविष्य के लिए मजबूत नींव

यह पहल छात्रों को कम उम्र में ही आर्थिक जिम्मेदारियों की समझ देने का प्रयास है। विभाग का मानना है कि यदि बच्चे शुरुआती दौर में ही टैक्स के महत्व को समझेंगे, तो वे भविष्य में इसे बोझ नहीं, बल्कि कर्तव्य के रूप में देखेंगे। यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में भी अहम साबित हो सकता है।

भिखारियों की भी चल निकली

किसी ज़माने में जब विवाद होते थे किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को चुना जाता था जिसकी बाते दोनों पार्टिया मानती थी जिससे की विवाद हल हो जाते थे। ये व्यक्ति घर में घर का मुखिया, गांव में पटेल, शहर में पेलवान या नेता और दुनिया में जो सबसे शक्तिशाली होता था उसकी सब बाते मानते थे और समाज में समाज के गणमान्य व्यक्ति के पास जाते थे , और विवाद जल्द ही हल हो जाते थे। पर कुछ समय से ये परिपाटी बदल गयी है अब गुंडे बदमाश और आतंकवादी विवाद सुलझाने लग गए और उसी क्रम में कुछ भिखारी भी इस काम में लग गए। भीख मांगते मांगते ये धंधा हाथ लग गया तो मजे ही मजे। वैसे भी भिखारियों को सारी दुनिया हिकारत की नजर से देख रही थी पर अब उनकी भी लाटरी लग गयी। समय बड़ा बलवान होता है ,कहा पुरे विश्व में अपने आप को सुपर कहने वाला भूरा पेलवान और कहा कटोरा ले कर हमेशा भीख मांगने वला आतंकवादी देश। जैसे सड़क पर कोई महिला भीख मांगती दिखती है तो कई रसीले युवा उसको तरह तरह से इम्प्रेस करने की कोशिश करते है उसी तरह आजकल हमारे पडोसी भी भीख के साथ साथ युद्द की दलाली करने में लग गए है। होना जाना कुछ नहीं है पर कुछ नहीं से कुछ तो अच्छा होता है। अब पेलवान का समझौता करवाना है तो उसकी सुननी भी पड़ेगी सो सुन भी रहे है और गाली भी खा रहे है। भूरे पेलवान ने के दिया है की हमारी कंडीशन पर ही समझौता होगा नि तो समझ लेना भीख में कुछ भी मिलने वाला नहीं है। अब भिखारी बापड़ा क्या करे चलो कोशिश करते है काम बन गया तो छप्पन इंच वालो से आगे निकल जाएंगे और फ़ैल हो गए तो जहा है वहा से तो अच्छी बात बन जाएगा। भूरे भइया भी एहसान मानेगे की इज्जत ख़राब हो रही थी तो काला कुत्ता भी समझौते के चक्कर में नहीं पड़ रहा था ऐसे में किसी भिखारी ने ही सही पेलवान की इज्जत तो बचाई। टेम बेटेम काम पड़ता रहता है भीख अच्छी मिल जावेगी। समय बड़ा बलवान होता है समय आने पर गधे को भी बाप बनाना पड़ता है। सुपर पावर का ठप्पा हाथ से जाता दिख रहा है। तो भिखारी को भी बाप बनाया जा रहा है। बापड़ा भूरा पेलवान खुद ही चिल्ला रहा है की हम तो जीत गए युद्द ख़तम करना है पर सामने वाला तो पूरी ताकत से ताल थोक रहा है ऐसे में भूरे पेलवान को इज्जत बचाना मुश्किल सा हो रहा है। सो पुरे विश्व में उसको एक आतंकवादी और भिखारी के भी हाथ जोड़ना पड़ रहा है की भाई समझौता करा दे नि सुपर पावर इमेज की वाट लग रही है। जो हो कहते है न की नंगे के नो ही गृह बलवान और समय बलवान तो गधा पहलवान। सो अब भिखारी को गधे बेचने और भीख मांगने के अलावा एक और काम मिल गया भूरे पेलवान की दलाली का।

राजेश भंडारी बाबू

अवमानना पर सख्ती दिखाते हाइकोर्ट ने एसीएस संजय दुबे को दी चेतावनी, चार सप्ताह में दे स्टेटस रिपोर्ट, नहीं तो कोर्ट में पेश हो

इन्दौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस प्रणय वर्मा की एकल पीठ ने एक अवमानना याचिका सुनवाई उपरांत अवर मुख्य सचिव संजय दुबे के खिलाफ सख्ती दिखा चेतावनी देते आदेश दिया कि हाईकोर्ट के पूर्व आदेश का पालन करते स्टेटस रिपोर्ट चार सप्ताह में कोर्ट के समक्ष पेश नहीं की तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होना होगा।

याचिका सुनवाई की अगली तारीख 11 मई नियत की। सब इंजीनियर से असिस्टेंट इंजीनियर पद पर पदोन्नति के मामले में यह अवमानना याचिका इन्दौर नगर निगम में पदस्थ सुमित अष्ठाना, रिटायर्ड नागेंद्रसिंह भदौरिया, धार में पदस्थ संजय मराठा और आगर में पदस्थ मनोज गुप्ता ने एसीएस संजय दुबे सहित नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे के खिलाफ दायर कर कोर्ट को बताया था कि वर्षों से पदोन्नति के पात्र होने के बावजूद उन्हें आगे नहीं बढ़ाया।

1 जनवरी 2015 के बाद से विभाग ने डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) की बैठक ही नहीं बुलाई, जिससे 50 प्रतिशत प्रमोशनल कोटा के पद खाली है। पूर्व में हाईकोर्ट ने निर्देश दिए थे कि विभाग 60 दिन में डीपीसी कर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करे। यदि याचिकाकर्ता पात्र पाए जाते हैं तो उन्हें पदोन्नति दी जाए। हालांकि यह पदोन्नति सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। उक्त आदेश का पालन नहीं करने के चलते यह अवमानना याचिका दायर की गई। जिस पर सुनवाई उपरांत कोर्ट ने प्रमोशन देने में लापरवाही बरतने पर अवर मुख्य सचिव संजय दुबे के खिलाफ सख्ती दिखाते उक्त आदेश दिया।

मध्य प्रदेश में गर्मी ने दिखाया अपना असर

इंदौर। आंधी-बारिश का ब्रेक खत्म होते ही मध्य प्रदेश में मौसम ने तीखा रुख अपना लिया है। तापमान तेजी से उछल रहा है और अब प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में आने जा रहा है। कई शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है, जबकि रतलाम सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 41 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर-उज्जैन संभाग सहित मालवा-निमाड़ क्षेत्र इस समय सबसे ज्यादा तप रहा है। खजुराहो में 40.4 डिग्री, धार और नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। कई अन्य शहरों में भी पारा 38 से 39 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे दिन में झुलसाने वाली गर्मी महसूस होने लगी है।

बड़े शहरों में भी चढ़ा पारा–प्रदेश के प्रमुख शहरों में भी गर्मी का असर साफ दिख रहा है। इंदौर में 39.2 डिग्री, भोपाल में 38.6 डिग्री, जबलपुर में 38.7 डिग्री और उज्जैन में 38.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। ग्वालियर अपेक्षाकृत थोड़ा कम गर्म रहा, लेकिन वहां भी पारा 36 डिग्री के पार है।

16 अप्रैल से शुरू होगा लू का प्रहार–मौसम विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि 16 अप्रैल से प्रदेश में हीट वेव यानी लू का दौर शुरू हो जाएगा। धार, खरगोन, खंडवा, सीधी और सिंगरौली जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। 15 अप्रैल से एक नया सिस्टम एक्टिव जरूर होगा, लेकिन यह कमजोर रहेगा और गर्मी पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।

अचानक बदले मौसम से अब सीधी तपिश–अप्रैल के शुरुआती दिनों में प्रदेश ने आंधी, बारिश और ओलों का दौर देखा। 1 से 9 अप्रैल तक लगातार मौसम बदलता रहा, जिससे गर्मी पर ब्रेक लगा रहा। लेकिन अब दूसरे पखवाड़े में मौसम पूरी तरह पलट चुका है और तेज गर्मी का दौर शुरू हो गया है।

अल्फा स्टार स्पेलिंग बी की नेशनल लेवल प्रतियोगिता छात्रा मनन्या आहिरे ने बनाई नेशनल फाइनल में जगह

इंदौर। इंदौर में आयोजित अल्फा स्टार स्पेलिंग बी की नेशनल लेवल प्रतियोगिता इस वर्ष बड़े उत्साह और प्रतिस्पर्धा के साथ आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 40 से अधिक स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अंग्रेज़ी भाषा की समझ और उच्चारण कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सेंट अर्नोल्ड कोएड स्कूल, पालदा की छात्रा मनन्या आहिरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेशनल फाइनल में अपनी जगह बनाई है। उनकी इस उपलब्धि से स्कूल, परिवार एवं पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

मनन्या की सफलता का श्रेय उनकी निरंतर मेहनत, समर्पण और नियमित अभ्यास को जाता है, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर अभिभावकों एवं विद्यालय के शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सांवेर क्षेत्र में निम्न गुणवत्ता के मूंगफली बीज वितरण का मामला, निष्पक्ष जांच की मांग

सांवेर क्षेत्र के किसानों को हाल ही में वितरित किए गए मूंगफली के बीजों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। किसानों का आरोप है कि उन्हें निम्न स्तर के एवं घटिया बीज उपलब्ध कराए गए, जिसके कारण फसल उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

इस संबंध में भारतीय किसान मजदूर सेना के अध्यक्ष बबलू जाधव द्वारा पूर्व में ही उच्च अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक शिकायत दर्ज कराई गई थी। साथ ही मैदानी स्तर पर पदस्थ कृषि अधिकारियों ने भी बीजों की गुणवत्ता पर आपत्ति जताई थी, किंतु इसके बावजूद कथित रूप से दबाव बनाकर इन बीजों का वितरण कराया गया। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि किसानों के हितों के साथ गंभीर अन्याय भी दर्शाती है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे भोपाल स्थित वरिष्ठ कार्यालय के संज्ञान में लाया गया, जहां से विस्तृत जांच के आदेश जारी किए गए हैं।

जांच की जिम्मेदारी संयुक्त संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, इंदौर को सौंपी गई है। किसान संगठन के अध्यक्ष बबलू जाधव ने मांग की है कि जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित क्षेत्र में अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को तत्काल प्रभाव से उस प्रभार से मुक्त किया जाए।

यदि इस मामले में शीघ्र एवं कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र में किसानों के बीच आक्रोश बढ़ सकता है।

आफत मे पड़ गयी जान

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को लेकर इस्लामाबाद मे हुई शांति - वार्ता बिना किसी नतीजे के समाप्त हुई। इस असफल वार्ता से दिवालिया हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख को बड़ी चिंता सता रही है कि शांति प्रयासों के लिए जिन होटलों मे वार्ता के लिये आये प्रतिनिधियों को ठहराया गया था उनके किराये कौन और कैसे चुकायेगा?

– नरेश कानूनगो शोभना देवास म प्र

कार्टून कोना...

संतोष वर्मा फर्जी आदेश प्रकरण - आरोपी तात्कालिक जज और कोर्ट कर्मी को जमानत

इन्दौर। मजिस्ट्रेट स्वाति रघुवंशी की कोर्ट ने तत्कालीन स्पेशल जज विजेंद्रसिंह रावत और कोर्ट कर्मचारी नीतू सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई उपरांत दोनों आरोपियों को राहत दे उनको जमानत दे दी। मामला आईएएस संतोष वर्मा से जुड़े कथित फर्जी न्यायिक आदेश का है जिसमें कल ही एसीपी विनोद दीक्षित ने कोर्ट में चालान पेश किया था।

इस दौरान कोर्ट में आरोपी तात्कालिक जज रावत भी उपस्थित हुए थे ।

ज्ञात हो कि करीब पांच साल पुराने इस बहुचर्चित फर्जी न्यायालीन आदेश के मामले में एमजी थाना पुलिस द्वारा दर्ज रिपोर्ट में आईएएस संतोष वर्मा पर फर्जी न्यायिक आदेश तैयार कर सेवा संबंधी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप है। यह तथाकथित फर्जी आदेश डीपीसी (डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

मामला उजागर होने के बाद जांच में वह कोर्ट भी जहां से आदेश टाइप होकर जारी हुआ था शकां के घेरे में आ गया और इसी आधार पर तत्कालीन स्पेशल जज रावत को भी आरोपी बनाया गया।

मामले की गंभीरता को देखते जांच हेतु एसआईटी का गठन किया गया और तत्कालीन सीएसपी हरीश मोटवानी ने जांच शुरू जिसे बाद में अनिल सिंह चौहान और विनोद दीक्षित ने पूरा किया।

इस दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों को अहम आधार बना कोर्ट से कंप्यूटर और पेनड्राइव जब्त किए, मोबाइल डेटा, टावर लोकेशन और मैसेज रिकॉर्ड की रिकवरी की गई।

पुलिस का दावा है विवादित आदेश रावत के कोर्ट के कंप्यूटर से ही टाइप किया गया था।

हालांकि डिजिटल साक्ष्यों की फिलहाल फॉरेंसिक जांच जारी है।

वहीं इस कथित फर्जी आदेश तैयार करने के पीछे उद्देश्य क्या था? और इसमें कौन कौन लोग और शामिल हैं इसकी जांच की जा रही है।

त्वरित टिप्पणी

अगर बिहार का अगला मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाया जाता है तो वह भाजपा का पहला मुख्यमंत्री होगा और जातीय समीकरण से पिछड़ा वर्ग का ही होगा।

यादव,कुर्मी और कोइरी का त्रिवेणी संघ आज भी मजबूत है बिहार में।लालू प्रसाद यादव के पहले मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र थे ।कांग्रेस के जमाने में अस्सी से लेकर मार्च नब्बे तक बिहार में कांग्रेस की सरकार थी और इस दरम्यान सभी मुख्य मंत्री सवर्ण जाति के थे।

खासकर ब्राह्मण समाज से। मार्च नब्बे से अभी तक बिहार में कोई सवर्ण मुख्यमंत्री नहीं बना है। यह भी सच है कि बिहार में जाति आधारित राजनीति से निकल पाना लगभग असंभव है।

निर्मल कुमार दे, टिप्पणीकार और लेखक

अंतिम पत्र

पाक के पास कभी नहीं रही नापाक नीति और नीयत

समाचार–पाक की मध्यस्थता में ईरान - अमेरिका के बीच हुई वार्ता ऐसी विफल हुई कि आगे भी चर्चा की संभावना नहीं।

टिप्पणी–कहना होगा कि जहां-2 भी पाक ने मध्यस्थता की, वहां केवल बंटाधार ही हुआ है,जो हमारे सामने भी है।

बी एल शर्मा अकिंचन तराना-उज्जैन